The Resource Centre

# Hamara Mahanagar

**Date: 07/04/2016** **Page No: 9** **Location: Main** **Circulation: 45000**

**Edition: Mumbai**

## Created History in SRA project

# एसआरए परियोजना में रचा गया इतिहास

**मुंबई।** लोगों का एसआरए परियोजना के लिए परिदृश्य बदलता जा रहा है। सात रास्ता स्थित साने गुरूजी नगर चाल कमेटी के निवासियों ने ओंकार बिल्डर की ओर एक साथ 700 लोगों ने घर खाली करने का चेक लेकर इतिहास रच दिया। कई लोगों ने तो घर खाली कर बिल्डर को उसकी चाबी तक सौंप दी है। बता दें कि जैसे ही एसआरए परियोजना का नाम आता है, तो उसे भ्रष्टाचार के रूप में देखा जाने लगता है, लेकिन अब लोगों का नजरिया इस तरफ से बदल रहा है। निवासी अब खुद आगे आकर बिल्डर का सहयोग करते दिखाई देने लगे हैं। सात रास्ता स्थित साने गुरूजी नगर में कुल 950 परिवार रहते हैं, जिसमें से झोपड़पट्टी पुनर्वसन परियोजना में 825 झोपड़े पात्र पाए गए।

झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि जब इतनी बड़ी संख्या में झोपड़े एक साथ पहली ही बार में पात्र हो गए। पात्र हुए 700 झोपड़ाधारकों ने एक साथ मिलकर बिल्डर के पास अपने घरों को सौंपने का निर्णय लिया और उन्होंने मंगलवार को बिल्डर के हाथ में अपने घरों की चाबियां सौंप दी और दो साल का एक साथ किराया बिल्डर से ले लिया। एक साथ एक छत के नीचे आकर पहली बार 700 निवासियों द्वारा किराया लिया गया है। ओंकार बिल्डर के निदेशक बाबूलाल वर्मा ने कहा कि इस परिसर में

हमारे झोपड़पट्टी पुनर्वसन के कई बड़े काम चल रहे हैं। वर्ली में एलएंडटी के द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य से लोगों का हमारी ओर आकर्षण बढ़ा है और लोगों की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करना अब हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। लोगों का जिस तरह विश्वास बढ़ा है, उस पर खरा उतरने का हमारा संकल्प है। झोपड़पट्टी पुनर्वसन के विकासक को लोग गलत नजरों से देखते हैं, लेकिन आज जिस तरह एक साथ 700 लोगों ने हमारे प्रति दृढ़ता दिखाई है, उसका फायदा झोपड़ीपट्टी विकास कार्यों में गति देने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। जबकि दूसरे निदेशक कौशिक मोरे ने कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने हम पर विश्वास दिखाया है, जिससे अब हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। कौशिक ने कहा कि सभी 950 परिवारों को एक साथ घर बनाकर देना हमारी जिम्मेदारी बन गई है।

Copyright of the article is with the publication